CAREERINDIA

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

अप्रैल, 2018

अंक योजना – हिन्दी (ऐच्छिक) कोड संख्या 29/1, 29/2, 29/3

(दिल्ली, हरियाणा)

विशेष निर्देश : माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक योजना पर भली–भाँति विचार–विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
6. यदि परीक्षार्थी ने किसी, किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जहाँ उत्तर अधिक अच्छा लिखा गया है तो उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें।
7. प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को काट दें।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर बार–बार अंक न काटें।
9. निर्धारित शब्द सीमा से विचलन पर अंक न काटे जाएँ।
10. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 प्रतिशत अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं , या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक भी दिए जा सकते हैं।
11. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस पर गलत (x) चिह्नित कर (0) अंक दिए जाएँ।

www.careerindia.com

CAREERINDIA

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
अप्रैल, 2018
अंक योजना–हिंदी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध 29/1
29/2
29/3
(दिल्ली, हरियाणा)

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
1.	1. क	2. क	1. क	• गोली से हुए जख्म समय के साथ भर जाते हैं जबकि बोली का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक	2
	ख	ख	ख	• शब्दों का सटीक चयन और प्रयोग व्यक्ति तथा प्रसंगानुकूल होना • भाषा का यह औचित्य ही शब्द सौंदर्य का मुख्य हिस्सा है	1+1=2
	ग	ग	ग	• अधिक आवेग, उत्साह या अज्ञानता के कारण सही अर्थों में प्रयोग नहीं करना; अर्थ समझ कर ही प्रसंगानुसार शब्दों का प्रयोग करना	2
	घ	घ	घ	• अधिक उत्साह तथा अज्ञान के कारण शब्दों के अनुपयुक्त प्रयोग करने पर	2
	ङ	ङ	ङ	• शब्दों में अपेक्षित अर्थ प्रेषित करने की क्षमता • शब्द प्रयोग से वक्ता के व्यक्तित्व की झलक	2
	च	च	च	• अपनी बात को स्पष्ट शब्दों में कह पाना, वांछित अर्थ का संप्रेषण कर पाना भी तपस्या के समान	1+1=2

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• तपस्या तथा शब्द प्रयोग दोनों ही में सावधानी और एकाग्रता का होना अनिवार्य	
	छ	छ	छ	• वक्ता को बोलने से पूर्व शब्दों का अर्थ, प्रभाव, सुंदरता एवं औचित्य समझना • 'पहले तोलो फिर बोलो' वाली उक्ति की चरितार्थता	2
	ज	ज	ज	• उचित शीर्षक स्वीकार्य	1
2	2 क	1 क	2. क	• स्वर्ग के समान सुखदात्री • सभी संपत्तियों की भंडार • धरती पर सर्वश्रेष्ठ (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	ख	ख	ख	• प्राकृतिक संपदा से संपन्न • भूमंडल की सर्वश्रेष्ठ मातृभूमि	½+½=1
	ग	ग	ग	• त्याग और बलिदान	1
	घ	घ	घ	• गौरवान्वित रहना • स्वाभिमान तथा आत्मबल से जीना	1
	ङ	ङ	ङ	• मातृभूमि हेतु प्रेम एवं त्याग की भावना • देश के प्रति समर्पण और आत्मगौरव की भावना	1

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड 'ख'	
3	3	4.	5	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 6 • भाषा 2	10
4	4	3	6	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1 • विषयवस्तु 3 • भाषा 1	5
5	5. क	6 क	3 क	• 'समाचार' किसी ताजा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट	1
	ख	ख.	ख	• सामग्री का चयन और उसकी अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना	1
	ग	ग	ग	• छपे हुए शब्दों में स्थायित्व • लिखित भाषा का विस्तार • जब और जैसे चाहें–पढ़ें • विचार और विश्लेषण का माध्यम (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	घ	घ	घ	• व्यावसायिक लाभ के उद्‌देश्य से सनसनीखेज और भ्रामक खबरों को प्रकाशित करना	1
	ङ	ड.	ड.	• किसी घटना, समस्या या मुद्‌दे की गहन छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर लिखी जाने वाली रिपोर्ट	1

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
6	6	5	4	**आलेख लेखन** • प्रस्तुति 2 • विषयवस्तु 2 • भाषा 1	5
				खंड 'ग'	
7	7	7	9	**काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या** • कवि का नाम ½ • कविता का नाम ½ • प्रसंग 1 • व्याख्या 5 • विशेष 1 **राघौ ! एक बार.........................हिम मारे** कवि : तुलसीदास कविता : 'पद' (गीतावली) प्रसंग पुत्र वियोग से संतप्त कौशल्या राम को उनके प्रिय घोड़ों की दशा बताकर वापस बुलाना चाहती है **व्याख्या बिंदु:** • हे राघव ! तुम एक बार इन घोड़ों की खातिर अवश्य लौट आओ। जिन्हें अपने हाथों से जल पिलाया, दुलारा, पुचकारा, वे बेचैन हैं • भरत द्वारा सौ गुनी अधिक देखभाल पर भी वे घोड़े दुर्बल होते जा रहे हैं • कौशल्या के वात्सल्य एवं वेदना का चित्रण • पथिक से संदेश देने का अनुरोध • राम के वियोग में अयोध्या के नर–नारी ही नहीं पशु–पक्षी भी व्यथित	8

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				विशेष– • ब्रज भाषा • करुण रस, वात्सल्य रस का अद्वितीय उदाहरण • अनुप्रास, रूपक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकारों का सहज प्रयोग	
8	8 क	9 क	8 क	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** • भारत की गौरवगाथा एवं प्राकृतिक सौंदर्य को राष्ट्र की विशिष्टता तथा पहचान के रूप में दर्शाना • यह देश राग एवं प्रेम की भूमि • आश्रय लेने हेतु दूर देशों से पक्षियों तथा अपरिचित लोगों का आना • लोगों की आँखों में करूणा तथा स्नेह का भाव	1+1+1=3
	ख	ख	ख	• दिन छोटे और रातों का लंबा होना • शीतल हवाओं की प्रधानता • नायिका के विरह को उद्दीप्त करना **व्यथा** • नागमती को पति से वियोग की पीड़ा • ठंडी रातों में भी तप्त हृदय • शीत ऋतु में प्रियतम के विरह के कारण वस्त्र तथा श्रृंगार के सुख की व्यर्थता का बोध	1½+1½=3
	ग	ग	ग	• अपनी पुत्री सरोज की मृत्यु के उपरांत उसकी आत्मा की शांति तथा श्रद्धांजलि देने के लिए अपने कर्मों से तर्पण • कवि अपने समस्त कर्मों के फल को श्रेष्ठ मानकर अपनी पुत्री की मुक्ति के लिए अर्पित करता है	3

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
9	9 क	8 क	7 क	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित** **भाव पक्ष – 1** **कला पक्ष– 2** श्री रघुनाथ...................................जराई–जरी **भाव पक्ष** • राम के भेजे हुए वानर की पूँछ को तेल और रुई भी न जला सके • किंतु उसी वानर ने बिना प्रयास के तुम्हारी लंका जला दी • प्रतापी दशकंठ भी राम के प्रताप को नहीं समझ सका **कला पक्ष** • ब्रज भाषा • अनुप्रास, यमक, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति–प्रकाश अलंकार • वीर रस की प्रधानता • व्यंग्यात्मकता • भाषा सरस, तुकांत प्रयोग • 'दशकंठ' शब्द का साभिप्राय प्रयोग तथा इसमें पराक्रम की ध्वनि व्यंजित (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	ख	ख	ख	कोई छह————————–चली गई **भाव पक्ष** • वसंत के आगमन का अनुभव अचानक होना • सुबह छह बजे हल्की–सी गरम हवा का आना • फिरकी की तरह घूम कर (छूकर) चले जाना	3

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				कला पक्ष– • मानवीकरण, उपमा, अनुप्रास अलंकार • बोलचाल की खड़ी बोली • ध्वन्यात्मक एवम् चित्रात्मक भाषा	
	ग	ग	ग	**एक बूँद————————आग से** **भाव पक्ष –** • समुद्र और बूँद का पारस्परिक घनिष्ठ एवम् प्राकृतिक संबंध • जीवन में एक क्षण ऐसा आता है जब व्यक्ति समाज से अलग अपनी पहचान बना सकता है। • बूँद की क्षणभंगुरता के माध्यम से जीवन की नश्वरता का बोध **कला पक्ष–** • खड़ी बोली हिंदी • सरल और प्रवाहमय भाषा • प्रतीकात्मक शब्द प्रयोग • बूँद और सागर –आत्मा– परमात्मा/ व्यक्ति–समाज	3
10	10	12	12	**गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या** • लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख – ½+½ • प्रसंग – 1 • व्याख्या बिंदु – 3 • विशेष – 1 साहित्य...बुलावा देता है पाठ–यथास्मै रोचते विश्वम्, लेखक–रामविलास शर्मा प्रसंग–साहित्य द्वारा जीवन–संग्राम में लड़ने की प्रेरणा देना	6

www.careerindia.com

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>29/1</th><th>29/2</th><th>29/3</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td><u>व्याख्या बिंदु</u>–
• जीवन भी एक युद्धक्षेत्र
• कृष्ण के पांचजन्य शंखनाद की भाँति साहित्य द्वारा कर्मयुद्ध की प्रेरणा
• साहित्य द्वारा उदासीन, संकीर्ण एवम् भाग्यवादी विचारधारा से मनुष्य को दूर रहने की प्रेरणा
• कायरता और कर्महीनता को प्रोत्साहित करने वालों का विरोध
<u>विशेष</u> –
• खड़ी बोली गद्य
• मुहावरेदार भाषा
• तत्सम शब्दावली
• विचारात्मक शैली
• पांचजन्य–श्रीकृष्ण के शंख का नाम महाभारत के युद्ध का आरंभ इसी शंखनाद से</td><td></td></tr>
<tr><td>11</td><td>11
क</td><td>10
क</td><td>10
क</td><td><u>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित</u>

• जंगलों की कटाई से प्राकृतिक संपदा का नाश
• पर्यावरण और प्रकृति के तत्वों में असंतुलन
• लाखों किसानों–आदिवासियों का विस्थापन
• प्राकृतिक परिवेश से बिछुड़ कर झोपड़–पट्टियों में जीवन निर्वाह की मजबूरी
• स्थानीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं और रीति–रिवाजों की प्राय: समाप्ति
• प्रकृति मुनष्य और संस्कृति के बीच आपसी संबंधों का छिन्न–भिन्न होना</td><td>4</td></tr>
<tr><td></td><td>ख</td><td>ख</td><td>ख</td><td>गंगापुत्रों का जीवन गंगा पर आधारित अर्थतंत्र और धार्मिक पर्यटन से जुड़ा है जैसे–</td><td>4</td></tr>
</table>

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• सुबह तथा शाम की आरती के समय गंगापुत्रों का गंगा के बीच खड़े हो जाना • उनके द्वारा आरती की फूलों वाली कश्तियों में रखे चढ़ावे के पैसे छाँट कर उठा लेना • वहीं खुले पैसे अपनी पत्नियों व बहनों को देना और उन महिलाओं द्वारा कुशाघाट पर यात्रियों को एक रुपए के अस्सी पैसे देकर विनिमय • गोताखोर के रूप में फेंके गए पैसे निकालना एवं डूब रहे लोगों की रक्षा करना • यही उनके जीवन निर्वाह का साधन है। अतः गंगा मैया ही उनका जीवन और जीविका है (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ग	ग	ग	• बड़ी हवेली पहुँचते ही हरगोबिन के मन में पहले के सुखद तथा अमीर दिनों की स्मृति • वर्तमान गरीबी, अभावों के दर्द का उभरना–दोनों स्थितियाँ मन में एक साथ • दिन–रात नौकर–नौकरानियों और जन–मजदूरों की भीड़ • नाइन का हवेली में आकर बड़ी बहरिया को मेंहदी लगाना • कर्ज लेने वालों की पंक्ति का लगे रहना • आज बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया का अपने हाथ से सूप में अनाज फटकना • कर्ज वापिस मांगने वालों को झगड़ते और अपशब्द कहते देखने के कारण	4
12	12	11	11	**<u>जीवन परिचय</u>** • संक्षिप्त जीवन परिचय – 2 • रचनाएँ (कोई दो) – 1	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• काव्यगत विशेषताएँ/भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण — 3 **रामचंद्र शुक्ल** **संक्षिप्त जीवन परिचय –** • उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गांव में जन्म • उर्दू–फारसी और अंग्रेजी में आरंभिक शिक्षा • इंटरमीडियट तक विधिवत शिक्षा • हिंदी के प्राचीन एवं नवीन साहित्य का अध्ययन • चित्रकला के अध्यापक, हिंदी शब्द सागर के संपादक तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे **रचनाएँ :–** • हिन्दी साहित्य का इतिहास • हिंदी शब्द सागर • चिंतामणि • नागरी प्रचारिणी पत्रिका • गोस्वामी तुलसीदास • सूरदास **साहित्यिक विशेषताएँ :–** • उच्चकोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य चिंतक • गद्य–शैली विवेचनात्मक • विचारशीलता, सूक्ष्म तर्क–योजना • व्यंग्य और विनोद का प्रयोग • भाषा सूत्रात्मक एवं तत्सम, उर्दू शब्दों का प्रयोग	6

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				अथवा **भीष्म साहनी** **संक्षिप्त जीवन परिचय –** • रावलपिंडी (पाकिस्तान) में जन्म • उर्दू और अंग्रेजी का स्कूल में अध्ययन • गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. • पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि • आजीविका के लिए व्यापार, पत्रकारिता तथा अध्यापन से जुड़े • स्थायी तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में अध्यापन कार्य **रचनाएँ :** • भाग्य रेखा, शोभायात्रा, निशाचर आदि (कहानी संग्रह) • झरोखे, कड़ियाँ, तमस, बसंती आदि (उपन्यास) • माधवी, हानूश आदि (नाटक) (कोई दो रचनाएँ) **साहित्यिक विशेषताएँ** • भाषा में उर्दू शब्दों के प्रयोग से रवानगी • भाषा शैली में पंजाबी भाषा की महक • छोटे–छोटे वाक्यों का प्रयोग • प्रभावी एवं रोचक विषयों का चुनाव • संवादों की ताजगी	

www.careerindia.com

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>29/1</th><th>29/2</th><th>29/3</th></tr>
<tr><td></td><td>अथवा</td><td>अथवा</td><td>अथवा</td><td>घनानंद

<u>संक्षिप्त जीवन परिचय–</u>
जन्म स्थान और माता–पिता के नाम अज्ञात हैं
आरंभिक जीवन दिल्ली तथा वृंदावन में बीता
दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के दरबार में मीर मुंशी थे
दरबार की 'सुजान' नामक नर्तकी पर आसक्त थे
सुजान से प्रेम करने के कारण घनानंद दरबार में बे–अदबी कर बैठे, जिससे उन्हें देश निकाला दे दिया गया
सुजान की बेवफ़ाई से निराश और दुखी होकर निंबार्क संप्रदाय में दीक्षित होकर जीवन निर्वाह
<u>रचनाएँ</u>
सुजान सागर, विरह लीला, सुजान हित,कृपाकंड निबंध, रसकेलि वल्ली आदि
(दो रचनाओं के नाम अपेक्षित)
<u>काव्यगत विशेषताएँ</u>
परिष्कृत और साहित्यिक ब्रजभाषा
भाषा में व्यंजना, मधुरता तथा कोमलता
सर्जनात्मक काव्य भाषा
प्रेम की उदात्तता
अथवा</td><td></td></tr>
</table>

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
13	अथवा 13	अथवा 14	अथवा 13	**विष्णु खरे** **<u>संक्षिप्त जीवन परिचय</u>** • जन्म छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश में हुआ • क्रिश्चियन कॉलेज, इंदौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. • इंदौर समाचार में उप–संपादक • नवभारत टाइम्स में प्रभारी कार्यकारी संपादक **<u>रचनाएं</u>** • टी.एस. इलियट का अनुवाद– मरूप्रदेश और अन्य कविताएँ • एक गैर रुमानी समय में • खुद अपनी आँख से • सबकी आवाज के परदे में • आलोचना की पहली किताब • पिछला बाकी (कोई दो अपेक्षित) **<u>काव्यगत विशेषताएँ</u> :–** • भाषा में तत्सम, तद्भव और देशज शब्दों का प्रयोग • सहज, सरल भाषा • मुहावरों के प्रयोग से सटीकता • पौराणिक आख्यानों पर लेखन **अपेक्षित जीवन–मूल्य** • निर्माण में विश्वास • संघर्ष की भावना • साहस	5

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• धैर्य • सहयोग • कर्मनिष्ठता • प्रेम आदि जीवन मूल्यों का उल्लेख करते हुए आज के संदर्भ में उनकी उपयोगिता बताने वाले उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य	
14	14 क	13 क	14 क	• बत्तख अपने अंडे को डैने में छिपाए रखती है • माँ अपने बच्चों की देखभाल करती है • दोनों ही अपने बच्चों के लिए सतर्क रहती हैं • बच्चे को संकट से बचाने का प्रयास • दोनों ही ममतामयी–माँ द्वारा बच्चे को दूध पिलाना, उसका लालन–पालन करना और बतख द्वारा अपने अंडों को सेना एवं रक्षा करना (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)	5
	ख	ख	ख	• विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और उनका संतुलन बिगाड़ना • उपभोग पर बल, संरक्षण के प्रति उदासीनता • जल प्रबंधन और संरक्षण की परंपरागत तकनीकों की उपेक्षा कर नई तकनीकों को अपनाया गया • कुएँ, तालाब, बावड़ी आदि का लुप्त हो जाना • हरियाली का खत्म होना आदि (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)	5

www.careerindia.com